3

धैर्य का फल

(प्रेरक कहानी)

प्रतिध्वनि

"धैर्य कड़वा है लेकिन इसका फल मीठा है।" —जीन-जैक्स रूसो

एक समय की बात है। बहुत समय से देश में वर्षा नहीं हुई थी। जिसके कारण अनाज की कमी हो गई थी। देश भर में अकाल पड़ गया। लोग रोटी के लिए तरसने लगे। देश के कई बड़े-बड़े साहूकारों ने ऐसे ही समय के लिए अनाज के गोदाम भरे थे। उन्होंने लाभ कमाने के लिए अनाज महँगे भाव में बेचना शुरू कर दिया। लेकिन एक साहूकार बहुत दानी तथा धर्मात्मा था। उसने अपने घर के बाहर भंडारा लगा दिया। विचार था कि बड़ी उम्र के लोग तो काम करके कहीं न कहीं रोटी खा सकते हैं लेकिन छोटे बच्चों को बहुत दिक्कत हो सकती है। अत: उसने घोषणा कर दी कि छोटे बच्चे दोनों समय आकर उसके भंडारे से एक-एक रोटी ले जा सकते हैं।

रोटी पकने के समय नगर के सभी बच्चे वहाँ पहुँचने लगे। सभी बच्चों की निगाह रोटियों वाली टोकरी पर रहती कि किसी तरह उन्हें बड़ी रोटी मिल जाए। जब कोई बड़ी रोटी टोकरी में डाली जाती तो उसे हथियाने के लिए सभी बच्चे झपट पड़ते। टोकरी में नीचे पड़ी एक छोटी-सी रोटी को कोई भी न उठाता।

जब सभी बच्चे रोटियाँ लेकर जा चुके होते तो टोकरी में नीचे वह छोटी-सी रोटी बचती थी। वह रोटी नित्य एक छोटी-सी लड़की के हिस्से में आती, जो पूरे समय बच्चों की छीना-झपटी से दूर एक कोने में बैठी रहती। वह बच्चों के लड़ाई-झगड़े से दूर ही रहती। जब सभी बच्चे लड़-झगड़कर हटते तो वह गरीब लड़की टोकरी में बची हुई छोटी-सी रोटी लेकर अपने घर चली जाती। प्रतिदिन इसी तरह होता था।

Scanned with CamScan

Scanned with CamScanner

एक दिन घर पहुँचकर जब उसने खाने के लिए रोटी का कौर तोड़ा तो उसमें से एक सिक्का निकला। लड़की ने दूसरा कौर तोड़ा तो एक सिक्का और निकला। लड़की ने सिक्के अपनी माँ को दिखाए। उसकी ने कहा, "बेटी, ये तो सोने के सिक्के हैं, जो बड़े-बड़े साहूकारों के पास होते हैं। तू अभी उस साहूकार के जाकर ये सिक्के उन्हें वापस कर आ।" लड़की सिक्के लेकर साहूकार के घर गई। साहूकार की तरफ सिक्के बढ़ाकर लड़की ने कहा, "ये सिक्के आपकी दी हुई रोटी में से निकले हैं। रोटियाँ बनाते समय आटे में गिर गए

होंगे। इन्हें रख लीजिए।"

साहूकार ने लड़की को अपने पास बैठाया तथा प्यार से कहा- "बेटी, ये सिक्के किसी से नहीं गिरे। ये तो मैं जान-बूझकर उस छोटी-सी रोटी में डाले थे, जो हम टोकरी में सबसे पहले रखते हैं। मैं प्रतिदिन तुम्हें बड़े ध्यान से अपनी रोटी की **प्रतीक्षा** करते देखता था, जबकि दूसरे बच्चे बड़ी रोटी पाने के लिए लड़ते-झगड़ते रहते थे। मैं इन सिक्कों के द्वारा यह देखना चाहता था कि तुम अपने **स्वभाव** के कारण बैठी रहती हो या तुम्हारे माता-पिता भी तुम्हारी तरह धैर्यवान हैं। अब मुझे पता चल गया है कि तुम्हारा पूरा परिवार ही धैर्यवान और ईमानदार है। तुम ये सिक्के ले जाओ। ये तुम्हारे **धैर्य** का फल है।" लड़की को सिक्के देकर साहूकार ने अपने नौकर के साथ उसको घर भेजा तथा लड़की के पिता को अपने यहाँ अच्छी-सी नौकरी दे दी।

जीवन मूल्य : **हमें धैर्यवान और ईमानदार होना चाहिए।**

Scanned with CamScanner

शब्दार्थ

अकाल	–	ऐसा समय जब अन्न न मिलता हो, दुर्भिक्ष	साहूकार	–	बड़ा सेठ
धर्मात्मा	–	बहुत भला व्यक्ति	भंडारा	–	भोज
घोषणा	–	ऐलान	प्रतीक्षा	–	इंतज़ार
स्वभाव	–	आदत	धैर्य	–	धीरज, सब्र

Scanned with CamScanner

कक्षा 4 पाठ 3 'धैर्य का फल'

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क) देश में अकाल क्यों पड़ा था ?

उत्तर -देश में बहुत समय से वर्षा ना होने के कारण अकाल पड़ा था ।

ख) सभी बच्चे रोटियों वाली टोकरी को क्यों देखते रहते थे ?

उत्तर- सभी बच्चे बड़ी रोटी प्राप्त करने के लिए रोटियों वाली टोकरी को देखते रहते थे ।

ग) छोटी सी रोटी नित्य किसके हिस्से में आती थी ?

उत्तर- छोटी -सी रोटी नित्य एक छोटी- सी लड़की के हिस्से में आती थी ।

घ) साहूकार ने किसके परिवार को धैर्यवान और ईमानदार पाया ?

उत्तर- साहूकार ने छोटी -सी लड़की के परिवार को धैर्यवान और ईमानदार पाया ।

ङ) साहूकार ने लड़की के पिता को क्या दिया ?

उत्तर - साहूकार ने लड़की के पिता को अपने यहाँ अच्छी - सी नौकरी दी ।

Scanned with CamScanner

Class 4 पाठ 3 अभ्यास कार्य

प्रश्न - सही कथन पर (✓)का तथा गलत कथन पर (x) का चिन्ह लगाइए -

क) वर्षा ना होने के कारण पूरे देश में अनाज की कमी हो गई । (✓)

ख) छोटे बच्चे दोनों समय भंडारे से एक-एक रोटी ले जा सकते थे । (✓)

ग) गरीब लड़की टोकरी में बची हुई एक बड़ी रोटी लेकर अपने घर चली जाती थी। (x)

घ) साहूकार ने लड़की से सारे सोने के सिक्के ले लिए। (x)

प्रश्न- सही उत्तर पर सही (✓) का चिन्ह लगाइए-

क) दानी साहूकार ने अकाल पड़ने पर क्या किया ?

1. अनाज बांटना शुरू कर दिया
2. घर के बाहर भंडारा लगा दिया (✓)
3. अनाज महँगे भाव पर बेचना शुरू कर दिया

ख) साहूकार ने किसके लिए भंडारा लगवाया?

1. लड़कियों के लिए 2. बच्चों के लिए (✓)
3. औरतों के लिए

ग) अंत में टोकरी में नीचे क्या बचता था ?

1. बड़ी रोटी 2. पराँठा 3. छोटी -सी रोटी (✓)

घ) रोटी के कौर में से क्या निकला ?

1. सोने का सिक्का (✓) 2. पीतल का सिक्का
3. चाँदी का सिक्का

Scanned with CamScanner

सही शब्द से रिक्त स्थान भरिए-

(क) देश के कई बड़े-बड़े ..साहूकारों.. ने ऐसे ही समय के लिए अनाज के गोदाम भरे थे

(ख) एक साहूकार बहुत .....दानी..... तथा धर्मात्मा था।

(ग) .....टोकरी..... में नीचे पड़ी एक छोटी-सी रोटी को कोई भी न उठाता।

(घ) लड़की ने सोने के .....सिक्के..... अपनी माँ को दिखाए।

(ङ) तुम्हारा पूरा परिवार ही धैर्यवान और .....ईमानदार..... है।

Scanned with CamScanner